

निर्दलीय

www.nirdaliya.com ई-मेल: nirdaliyadaily@gmail.com

वर्ष-५४/१६

भोपाल, १० सितंबर, डाक ११ सितंबर २०२६

मूल्य -1+1/-संप्रेषण /स्वैच्छिक

संस्थापक संपादक
-कैलाश श्रीवास्तव 'आदमी'
(९४२४४३४०९)

सलाहकार/संरक्षक- सेठ रामनिवास गुप्ता, कविता मल्होत्रा (नई दिल्ली), मधुबाला पांडेय (भोपाल)

मुख्य संरक्षक
पवन कुमार जैन (बदनावर)प्रबंध संपादक
अशोक निर्मलसाहित्य संपादक-
सरिता गर्ग 'सिरी' (जयपुर)

स्वामी निर्दलीय प्रकाशन एवं स्वत्वाधिकारी कैलाश श्रीवास्तव के लिए संपादक प्रिय अभिषेक (प्रिंस अभिशेख अज्ञानी)' (ट्रस्टि जन संगठन) द्वारा निर्दलीय प्रेस भोपाल द्वारा जेयन ऑफसेट के सहकार्य से मुद्रित तथा एफ-116/7 शिवाजी नगर, भोपाल -462016 से प्रकाशित

शिक्षक सम्मान समारोह व कवि सम्मेलन संपन्न जो खुद पर गुजरी है व नीरज रत्न पुस्तकें लोकार्पित



छाया: भुवनेश्वर प्रसाद विश्वकर्मा

दैनिक निर्दलीय संवाद

भोपाल। भेल स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षक सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कवि संजय सिंह थे। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने की। विशिष्ट अतिथि सोसायटी ऑफ एनजीओ अवेयरनेस (कार्यक्रम की प्रमुख सहयोगी संस्था) के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद शर्मा, मंजू शर्मा एवं बालिका अंशिका पाण्डेय थे। कार्यक्रम के आरंभ में प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि दी गई। महाविद्यालय की छात्रा शशि वंशकार ने सरस्वती वंदना की। छात्रा मुस्कान ठाकरे ने नृत्य के माध्यम से गुरु वंदना की। अंशिका पाण्डेय ने भावपूर्ण भजन प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने मुख्य अतिथि कवि संजय सिंह का नवपल्लवित पौधा, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया। सोसायटी ऑफ एनजीओ अवेयरनेस के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद शर्मा का स्वागत राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा यादव ने किया। शायर श्री नितेश का स्वागत डॉ. सुषमा जादौन तथा शैलेश ओझा का स्वागत डॉ. अंजना अग्रवाल ने किया।

५० शिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण शिक्षक सम्मान समारोह में सोसायटी ऑफ एनजीओ अवेयरनेस के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद शर्मा ने प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन तथा महाविद्यालय के लगभग 50 शिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद कवि सम्मेलन में महाविद्यालय के स्वरचित साहित्य मंच के विद्यार्थियों श्रीया विश्वकर्मा, मनन दीक्षित, प्राची विश्वकर्मा एवं तुषार पाण्डेय ने गुरु को केंद्र में रखकर अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया। भोपाल के शायर श्री नितेश ने अपनी प्रभावपूर्ण शायरी 'हे नमन गुरुवर तुम्हें स्वीकार हो' से श्रोताओं की वाहवाही प्राप्त की। मुख्य अतिथि कवि संजय सिंह ने अपने बहुचर्चित गीत से काव्य पाठ आरंभ किया-सच बात पृथ्वी हूँ, बताना ना बाबूजी, छुपाना ना बाबूजी, क्या याद मेरी आती नहीं! उन्होंने अपनी दूसरी चर्चित कविता 'हाय मेरे लाल, कैसा दिन ये दिखाया' प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दस विद्यार्थियों को पारितोषिक प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। संचालन हिंदी विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. कमलेश सिंह नेगी ने किया। स्वरचित साहित्य मंच की छात्रा श्रीया विश्वकर्मा ने आधार माना। आयोजन में महाविद्यालय का समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक अमला तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।



दैनिक निर्दलीय के लिए दिल्ली से सीमा रंगा इन्द्रा नई दिल्ली।

जो खुद पे गुजरी है और नीरज रत्न नामक पुस्तकों का यहां समारोहपूर्वक लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम गोपालदास नीरज साहित्य समूह ने आयोजित किया था। इस अवसर पर कवि सम्मेलन भी संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रवादी कवि अर्जुन सिसोदिया एवं ऋषि कुमार थे। उपन्यासकार एवं प्राध्यापक विकास शर्मा ने अध्यक्षता की। उन्होंने कार्यक्रम आयोजक गोपालदास नीरज साहित्य समूह के अध्यक्ष व श्रृंगार के सशक्त हस्ताक्षर अशोक भारद्वाज एवं सचिव कवयित्री रचना भारद्वाज की लिखी पुस्तक को खुद पे गुजरी है और समूह के कार्यकारिणी सदस्यों के साझा संग्रह नीरज रत्न नामक पुस्तक का लोकार्पण किया।

संचालन जानी मानी दोहाकारा डॉ. वर्षा सिंह ने किया। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रा. विकास शर्मा के प्रेरक उद्बोधन और अर्जुन सिसोदिया की काव्य प्रस्तुति गंगा अवतरण ने आयोजन को ऊँचाइयों प्रदान की। विशिष्ट अतिथि डॉ. संजय जैन के मुक्तकों ने भी बेहतरीन समां बांथा। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रा. विकास शर्मा ने

जो खुद पर गुजरी है पुस्तक की समीक्षा में कहा कि ऐसी पुस्तकें ही हिंदी साहित्य की समृद्ध करती हैं। उन्होंने कहा कि मैंने इस पुस्तक की सभी रचनाओं को भलीभांति पढ़ा तो पाया कि इसकी प्रत्येक रचना आदर्श और प्रेरक है। ऋषि कुमार ने कहा कि वे गोपालदास नीरज साहित्य समूह के सभी सदस्यों को साधुवाद देते हैं जो उन्होंने इतना सुंदर साझा संग्रह नीरज रत्न प्रकाशित कराया। राष्ट्रवाद के सशक्त हस्ताक्षर अर्जुन सिसोदिया ने अब्दुल हमीद व देश के समस्त शहीदों के प्रति नतमस्तक होते हुए अोजपूर्ण मुक्तकों से सभागार को रोमांचित कर दिया तथा अपनी छंदबद्ध रचनाओं से प्रत्येक श्रोता को भावसंसार में पहुंचा दिया। वहीं समूह के सदस्यों की आदर्श प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम में आए श्रोताओं को रोमांचित किया। काव्य पाठ करने वालों में समूह के अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, सचिव रचना भारद्वाज, डॉ. नाथूलाल लोटवाड़ा, कोषाध्यक्ष एवं गजलकार जयसिंह जीत, गीता राघव, सीमा वत्स, यशस्वी गीतकारसीमा रंगा इन्द्रा, अर्पित अस्थाना, गायत्री खंडेलवाल, आयुष भारद्वाज (फिलॉसफर स्टोन) की हिंदी अंग्रेजी मिश्रित कविता ने भी सबको आकर्षित किया।



श्याम सुन्दर शर्मा

दृष्टि से सृष्टि तक 'मैं' से 'हम' तक की यात्रा

दृष्टि से सृष्टि का आनंद लेना है, तो सृष्टि को नजदीक से देखना होगा। और सृष्टि को देखने के लिए, मन से 'मैं' को निकालना होगा। 'मैं' जब तक मन में है - दृष्टि धुंधली है, सृष्टि का आनंद अधूरा है। 'मैं' प्रतिस्पर्धा लाता है, 'मैं' घमंड पैदा करता है, 'मैं' दुर्भावना/ द्वेष को जन्म देता है। पद है, पैसा है, प्रतिष्ठा है, दौलत है, शोहरत है, ताकत है! पर मन में 'मैं' है तो सब कुछ होकर भी आप कुछ नहीं हैं। 'मैं' मिटेगा तो क्या बचेगा? 'हम' का भाव बचेगा। हमारा, हम सबका भाव। इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं, इंसानियत से बड़ा कोई समाज नहीं, इंसानियत से बड़ी कोई जाति नहीं, इंसानियत से बड़ा कोई परिवार नहीं। आपको जीवन में जो रूप मिला है - महिला, पुरुष या अन्य, उस रूप को सार्थक करना है तो कर्म से करना होगा। और कर्मों में सबसे बड़ा कर्म है - इंसान होकर, इंसान से इंसानियत का व्यवहार करना। जब तक मन में जीव मात्र के प्रति स्नेह, प्रेम और सद्भावना है, तब तक ही मान-सम्मान है। जो फल आपको अपने कर्म से मिले, उसे 'मैंने पाया है' कहकर नहीं, 'हम सबका है' कहकर देखिए, उसका आनंद कई गुना बढ़ जाएगा। इसलिए जीवन का सार यही है - मन से 'मैं' को मिटा दो, तो आपकी दृष्टि सम्पूर्ण सृष्टि को समझ लेगी क्योंकि इंसानियत से ही दृष्टि है, और दृष्टि से ही सृष्टि के आनंद की सृष्टि है। जो कोई धर्म समाज समाज वर्ग की स्वयं बात करते सार्वजनिक रूप से वह स्वयं अपने आप से पुछें जायें समझें कि इंसानियत महत्वपूर्ण है बिना इंसानियत के सब कुछ अधूरा है जो कुछ समझाया जाता है बताया जाता है बोला जाता है वह सब कुछ स्वार्थ है के कारण विशेष प्रयोजन के कारण कहा जाता है इसको स्वयं से समझने की आवश्यकता है कोई और से नहीं। - बैरसिया मार्ग, भोपाल

श्रेया शर्मा हुई डा. श्रेया शर्मा

विधि विषय में अर्जित की शोधोपाधि



(निर्दलीय संवाद)
भोपाल। आदर्श राज्य व्यवस्था वह होती है, जिसमें न केवल मनुष्यों अपितु मानवतर प्राणियों का कल्याण भी सुनिश्चित किया जाता है। वर्तमान समाज, राज्य और न्याय व्यवस्था मूक पशुओं के प्रति कितनी संवेदनशील है? यह और ऐसे तमाम प्रश्नों को लेकर श्रेया शर्मा ने अपना शोध कार्य राज्य विधि महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ.विशवास कुमार चौहान के निर्देशन तथा डॉ.विक्रम चौधरी के सह शोध निर्देशन में पूरा करने का गौरव हासिल किया है। उनका शोध विषय था- 'इम्प्लीमेंटेशन ऑफ प्रिवेंशन ऑफ कुएल्टी टू एनिमल्स एक्ट, 1960 एंड द रोल ऑफ एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया इन द स्टेट ऑफ एम.पी. - ए क्रिटिकल स्टडी'। फलतः बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के विधि विभाग में शोध मौखिकी के उपरांत श्रेया शर्मा को शोध उपाधि से सम्मानित किया गया। वह शोध कार्य पशु कृता निवारण हेतु बनाई जाने वाली शासकीय नीतियों तथा समाज की संवेदनशील मनोवृत्ति निर्माण में उपयोगी सिद्ध होगा।

गांधी के ग्राम स्वराज पर विद्यार्थियों ने रखे तथ्यात्मक व तार्किक विचार

निर्दलीय संवाद

भोपाल। गांधी भवन न्यास द्वारा आयोजित गांधी सप्ताह के अंतर्गत 'आओ जाने गांधी को' कार्यक्रम में प्रतियोगिताओं के तीसरे दिन वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय 'गांधी का ग्राम स्वराज' रखा गया।

इस वाद-विवाद प्रतियोगिता में भोपाल शहर के 12 विद्यालयों के लगभग 50 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने गांधी जी की दृष्टि से भी प्रेरणा ले रहा है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में लेखक एवं पत्रकार पीयूष बबेले, वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक जयंत तोमर तथा प्रोफेसर, शिक्षाविद एवं साहित्यकार डॉ. शिवा श्रीवास्तव



देश को संवेदनशील दृष्टि से देख रहा है, बदलाव की आवश्यकताओं को महसूस कर रहा है और अपनी विरासत तथा भविष्य को समझने के लिए गांधी जी की दृष्टि से भी प्रेरणा ले रहा है। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में लेखक एवं पत्रकार पीयूष बबेले, वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक जयंत तोमर तथा प्रोफेसर, शिक्षाविद एवं साहित्यकार डॉ. शिवा श्रीवास्तव

शामिल रहे। कार्यक्रम में अतिथि एवं पर्यवेक्षक के रूप में गांधी भवन न्यास के वरिष्ठ न्यासी महेश सक्सेना एवं न्यासी अरुण कुमार विनायक, कोषाध्यक्ष राजेश बादल, वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक चंद्रकांत नायडू तथा सर्वोदय कार्यकर्ता ध्रुवराज उपस्थित रहे। इस अवसर पर गांधी साहित्य एवं खादी के स्टॉल भी लगाए गए, जहां विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों

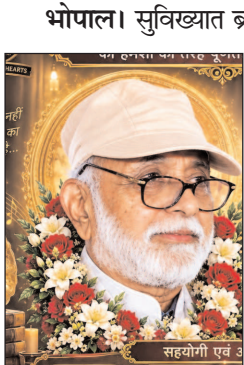
ने गांधी साहित्य तथा खादी से संबंधित सामग्री का अवलोकन किया।

आओ जाने गांधी को गांधी भवन न्यास गांधी सप्ताह खादी सर्वोदय गांधी विचार 'आओ जाने गांधी को' का उद्देश्य केवल प्रतियोगिताओं का आयोजन करना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को गांधी के विचारों, मूल्यों और उनके सपनों के भारत से जोड़ना है।

गीत-संगीत से श्रद्धांजलि दी जाएगी ब्रह्मलीन मोहन प्रकाश व्यास को

१३ सितंबर को रवींद्र भवन में समागम अपराध तीन बजे से

(निर्दलीय संवाद)



सहयोगी एवं

भोपाल। सुविख्यात ब्रम्हलीन सृजनधर्मी मोहन प्रकाश व्यास को गीत-संगीत के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। इस हेतु 13 सितंबर को रवींद्र भवन के अंजनी सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। व्यास म्यूजिकल ग्रुप ने यह समागम रखा है। मोहन प्रकाश व्यास ही इस ग्रुप के सूत्रधार प्रणेता व संस्थापक थे। उनकी स्मृति में आयोजन रविवार को अपराध तीन बजे आरंभ होगा जो रात्रि दस बजे तक निर्विवाद रूप से चलेगा तथापि कुछ विशिष्ट अतिथियों को शाम छह बजे आमंत्रित किया गया है। निर्दलीय समाचार पत्र समूह सह प्रकाशन के संस्थापक संपादक तथा वरिष्ठ पत्रकार- साहित्यकार कैलाश आदमी भी बतौर विशिष्ट अतिथि इसमें शिरकत करेंगे। समागम आयोजक व निर्दलीय की मानद प्रतिनिधि निवेदिता व्यास और व्यास म्यूजिकल ग्रुप के संचालक संजय पी एल व्यास, प्रबंध संचालक एवं अधिवक्ता राकेश व्यास और सह आयोजक शुंभी व्यास ने दैनिक निर्दलीय को यह जानकारी दी। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय मोहन प्रकाश व्यास निर्दलीय के अनन्य सहयोगी तथा सर्वधर्म समभाव व सर्वजातीय समरसता के लिए समर्पित थे और महापर्व होली एवं दीवाली पर विराट मिलन समारोह रखते थे। इन आयोजनों का वैशिष्ट्य उनका सभी के लिए समान रूप से खुला तथा निशुल्क रहना भी था। उनकी बहन निवेदिता व्यास व अनुज संजय पी एल व्यास उनकी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

जे.के.स्टील फर्नीचर

भोपाल

जीवन मारण

स्वत्वाधिकारी संपर्क 9826422823



१. पेट्रोल पंप के सामने, चूना भट्टी, कोलार मुख्य मार्ग, २. सर्वधर्म कॉलोनी सी सेक्टर पुल समीप कोलार मुख्य मार्ग, ३. बरखेड़ी कलां मुख्य मार्ग, भोपाल